खण्ड १५ संख्या ८

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[भाग १--कार्यवाही प्रश्नोत्तर ।]

सोमवार, तिथि २२ दिसम्बर, १९७५ ई० ।

विषय-सूची ।

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम ४।। के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तर ।	१
प्रश्नों के मौखिक उत्तर--	
अल्प-सूचित-प्रश्नोत्तर संख्या २,२९,३८,३९	१--१०
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या--४,५,६,३३१,३३३,३३४,३३५,३४६,३४८, ३६६,३६७,३७१,३७३,३७५,३७९,३८१,३८२,३८३,३८४,३८५, ३८६,३९३,३९४,३९६,३९७,४०१,४०२,४०३,४२९,४३१,४३२, ४३३,४३५,४३९,४४०,४४२,४४३,४४५ एवं ४४६ ।	१०--५६
परिशिष्ट १--अल्प सूचित प्र० सं० २ के सबंध में प्रतिवेदन	५७--७८
परिशिष्ट २-- प्रश्नों के लिखित उत्तर	७९--११३
परिशिष्ट ३ --प्रश्नों के लिखित उत्तर	११४--१५६
दैनिक नवध	...१५७--१५९

पाद टिप्पणी--किन्ही मंत्री एवं सदस्य से उनके संशोधन नहीं प्राप्त हुए हैं ।

प्रभारी मंत्री, विद्युत विभाग- (१) हरिजन बस्तियां जो ग्रामीण एवं विद्युतीकरण की योजना में सम्मिलित हैं, वहां विद्युत प्रभाप का कार्य किया जायगा, बशर्ते कि विद्युत खपत के विपत्र का भुगतान ग्राम पंचायत करे।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) खरैल पुनर्वास हरिजन बस्ती के विद्युतीकरण हेतु अध्यक्ष सुपौल नगरपालिका ने अपने पत्रांक ३६६, दिनांक २२ जून, १९७२ के द्वारा आग्रह किया था। तत्पश्चात इस कार्य के लिये ८०२२ रुपये का एक प्राक्कलन बनाया गया। अध्यक्ष नगरपालिका से विद्युत खपत के लिये एकरारनामा करने का आग्रह किया गया, एकरारनामा हो जाने के बाद कार्यारम्भ किया जायगा। किन्तु औपचारिकतायें अभी तक पूरी नहीं की जा सकी हैं। अतएव उक्त हरिजन बस्ती का विद्युतीकरण अभी सम्भव नहीं हो सका है।

बिजली सब-स्टेशन का निर्माण।

*४१७। श्री सूरजदेव सिंह—क्या मंत्री, विद्युत विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला के चाकन्द बाजार के पास एक बिजली सब-स्टेशन के निर्माण की योजना है;

(२) क्या यह बात सही है कि सब-स्टेशन नहीं होने से इसके इर्द-गिर्द के करीब ५ माईल के किसानो को सिंचाई के लिए पम्पिंग सेट चलाने में बहुत असुविधा होती है;

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक सब-स्टेशन बनाने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों?

प्रभारी मंत्री, विद्युत विभाग—(१) उत्तर नकारात्मक है।

(२) बेलागंज में एक तीन एम० भी० ए० का ३३/११ के० भी० ए० सब-स्टेशन है। बेलागंज चाकन्द से केवल ६ मील की दूरी पर है। अभी चाकन्द क्षेत्र की सिंचाई के लिए पम्पिंग सेटों की विद्युत की आपूर्ति बेलागंज सब-स्टेशन से ही करायी जा रही है। विद्युत आपूर्ति को और भी संतोषजनक बनाने के लिए बेलागंज सब-स्टेशन से एक अलग ११ हजार वोल्ट लाईन का निर्माण किया जा रहा है जिसे शीघ्र ही चालू कर दिया जायगा।

(३) प्रश्न ही नहीं उठता है।